प्रेस विज्ञप्ति

(सूचना एवं जन–सम्पर्क कार्यालय,कैमूर)

संख्या :– 171

दिनांक :– 25.09.2012

दो दिवसीय कृषि मेला का डी.एम. ने किया उद्घाटन

कैमूर(भभुआ) :– 25 सितम्बर 2012 :– आज जिला मुख्यालय स्थित लिच्छवी भवन के परिसर में दो दिवसीय कृषि मेला का आयोजन किया गया। इस कृषि मेले का उद्घाटन जिलाधिकारी जय सिंह ने दीप प्रज्जवलीत कर किया। उद्घाटन के दौरान डी.एम ने दीप प्रज्ज्वलन के लिए किसानों को भी आमंत्रित किया जिसमें दो किसानों ने जिलाधिकारी के साथ मिलकर दीप प्रज्जवलीत कर मेले का उद्घाटन किया। इस मेले मे जिले के हजारों की भीड़ थी जिसमें कई किसानों ने यंत्रों की खीरददारी के लिए आवेदन प्राप्त किये तथा कई किसानों को उनके दिये हुए आवेदन का सत्यापन कर कृषि यंत्रों का वितरण किया गया। उद्घाटन के बाद जिलाधिकारी जय सिंह ने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी मेले में लगे सभी स्टॉलों के सामने यंत्रों के मूल्य और उनपर मिलने वाली सब्सिडि को फ्लैक्स पर स्पष्ट रूप से दर्शायें। इसके ठीक बाद डी.एम. ने सामने रखे टेबल पर शिकायत पंजी की जांच शुरू की जिसमें एक किसान द्वारा मेले में आये किसानों के लिए पीने के पानी के नहीं होने की शिकायत की जिसपर जिलाधिकारी जय सिंह ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पी.एच.डी. को पानी के इंतजाम का निर्देश दिया। जिसपर किसानों ने जमकर तालियां बजाईं। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जितने भी सब्सिडी से संबंधित चेक लंबित पड़े हैं उन सभी चेकों का वितरण इसी मेले के दूसरे दिन हर हाल में हो जाना चाहिए। डी.एम. ने अपने संबोधन में खाद की कालाबाजारी पर हर हाल में लगाम लगाने की बात करते हुए कहा कि खाद की कालाबाजारी संबंधित कोई भी आप हमारे मोबाईल नंबर पर दे सकते हैं जिसका नम्बर 9473191227 है। उन्होने किसानों से बिहार भ–जल सिंचाई योजना के तहत नलकूप लगाने की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना में कुल लागत 60,000/– रूपये आती है जिसमें सरकार रू0–27,000/– अनुदान देती है, रू0–27,000/– बैंक से लोन के रूप में मिलता है तथा मात्र रू0 6,000/– किसानों को तत्काल लगाना पड़ता है। जिलाधिकारी ने किसानो को किसी भी प्रकार की शिकायत को मेले में अधिकारियों के स्टॉल पर रखी शिकायत पंजी में नाम, पता , मोबाईल नं0 सहित दर्ज करने की बात कही। इस कृषि मेले में जिरोटील 82, रोटावेटर 09 तथा पौधों पर छिड़कने वाला यंत्र 150 की संख्या में वितरण हुआ।